S. No,	Project	Company	Capacity m.t.p.a.	Capital cost (Rs. crs.)	Budget Allocation Rs. crs.,)
5.	Goleti Longwall Project . . .	SCCL	0.76	102·07	2·20
6.	RCE for Bharatpur OCP . . .	SECL	3·50	158·97	10·40
7.	RCE for Dhanpuri OCP . . .	SECL	1·25	54·69	1·39
8.	RCE for Ghugus OCP	WCL	1·50	98·07	15·00
9.	RPR for J.K. Nagar UG . . .	ECL	0·87	95·28	18·87
10.	Lingaraj OCP	SECL	5·00	229·84	15·00
11.	RCE for GDK 11 A	SCCL	1·75	156·00	34·27
12.	RCE for Manuguru OCP . . .	SCCL	2·75	199·94	15·00
13.	Ananta OCP	SECL	4·00	156·49	10·00
14.	RCE for Khadia OCP . . .	NCL	4·00	588·75	83·09

II. *World Bank assisted coal projects*

	Project	Company	Amount of World Bank Loan (US $ million)
1.	Dudhichua OCP	NCL	109·0
2.	Block II OC	BCCL	57·7
3.	Sonepur Bazari OC	ECL	114·8
4.	Gevra OC	SECL	65·2

m.t.p.a.– million tonnes per annum

RCE—Revised Cost Estimates

OCP—Opencast Project

UG—Underground.

कच्चाटीवू द्वीप के आस-पास संयुक्त गश्त

2537. **श्री डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**

श्री राम जेठमलानी :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत-श्रीलंका समझोते के अधीन श्रीलंका और भारत के सैन्य बलों द्वारा कच्चाटीवू के आस-पास संयुक्त गश्त आरम्भ की जा रही है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस सुझाव पर अमल करने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने का विचार रखती है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि गत कुछ वर्षों के दौरान इस महासागरीय समुद्र में 200 से अधिक दुर्घटनायें हो चुकी हैं जिनमें अनेक मछुआरों की जाने गई हैं ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और उस पर क्या उपचारी कदम उठाए गए हैं ?

विदेश मंत्री (श्री माधव सिंह सोलंकी): (क) और (ख) भारत और श्रीलंका के बीच 1974 और 1976 में संपन्न समुद्री सीमा करारों में संयुक्त गश्त का कोई प्रावधान नहीं है । कच्चातिवू द्वीप समूह के आस-पास भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त गश्त करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है । तथापि, भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री किनारों पर नकारात्मक गतिविधियों से निपटने के लिए श्रीलंका और भारत की नौका सेनाओं के बीच सहयोग के प्रबन्ध विद्यमान हैं ।

(ग) और (घ) उपलब्ध सूचना के अनुसार 1989-91 के दौरान श्रीलंका नौसेना द्वारा भारतीय मछेरों पर हमला करने की लगभग 54 अलग-अलग घटनायें हुई और इसकी वजह से 17 मछेरे मारे गए तथा 84 मछेरे घायल हुए । श्रीलंका की नौसेना द्वारा हमारे मछेरों पर हमला करने की जो भी घटनायें बताई गईं उन सबको हमने श्रीलंका की सरकार के साथ दृढ़ता से उठाया । हमने श्रीलंका सरकार पर इस बात के लिए जोर दिया है कि हमारे मछेरों द्वारा श्रीलंका के समुद्र में जाने के मामलों पर कानूनी और मानवीय तरीके से कार्यवाही की जानी चाहिए ।

भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों का कार्य-निष्पादन

2538. डा० अबरार अहमद : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विदेशी मिशनों में कार्यरत भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों के कार्य की वार्षिक अथवा द्विवार्षिक समीक्षा की जाती है और क्या विदेशों में उनके कार्यकाल के दौरान उनके योगदान का मूल्यांकन किया जाता है और यदि हां; तो गत तीन वर्षों के दौरान उसका ब्यौरा क्या है; और

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान ऐसे कितने अधिकारियों को उनके असन्तोषजनक कार्य-निष्पादन के कारण स्वदेश वापस बुलाया गया ?

विदेश मंत्री (श्री माधवसिंह सोलंकी) : (क) विदेश स्थित मिशनों में भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों के काम को वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट से संबद्ध विशिष्ट और निर्धारित मानदंडों के आधार पर वार्षिक समीक्षा की जाती है जैसा कि अन्य सरकारी कर्मचारियों के मामले में किया जाता है ।

(ख) एक ।

Government's stand on Islamic countries meetings

2539. SHRI SHANTI TYAGI : Will he Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government have seen a press report from Nicosia, published in Hindustan Times, dated 4th December, 1991, saying that the coming summit meeting of the Organisation of Islamic countries would endorse Pakistani position on Kashmir;

(b) whether Government have stepped up diplomatic activity in the concerned countries; and

(c) if so, what has been the reaction of those Governments?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI MADHAVSINH SOLANKI) : (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The Government has conveyed its position to several OIC member states. The general reaction has been that though ,the governments understood our position they were not in a position to oppose the Pakistani draft resolution,

---

Indo-Pak ties

2540. SHRI DHULESHWAR MEENA : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether his attention has been invited to the news item captioned "Kashmir, N-arms likely to hit Pak bid